1857 की क्रांति (प्रथम स्वतंत्रता संग्राम)

gkgsnotes.com

महत्वपूर्ण तथ्य और प्रतीक
- प्रतीक: रोटी (चपाती आंदोलन) और लाल कमल
- ब्रिटिश पीएम: पामर्स्टन
- भारत का गवर्नर जनरल: लॉर्ड कैनिंग
- सरकारी इतिहासकार: डॉ. एस. एन. सेन

क्रांति के परिणाम (1858 का अधिनियम)
- ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन का अंत, सत्ता ब्रिटिश क्राउन के अधीन
- 'भारत सचिव' के नए पद का सृजन
- गवर्नर जनरल को 'वायसराय' (क्राउन का प्रतिनिधि) की उपाधि
- सेना का पुनर्गठन (पील आयोग) और 'फूट डालो और राज करो' की नीति का विस्तार

असफलता के कारण
- केंद्रीय नेतृत्व और सुसंगठित योजना का अभाव
- क्रांति का समय से पूर्व (10 मई) भड़कना और अलग-अलग समय पर होना
- आधुनिक संसाधनों (राइफल, रेलवे, टेलीग्राफ) की कमी
- शिक्षित वर्ग, बड़े जमींदार और राजाओं (सिंधिया, होलकर, निजाम) की तटस्थता

इतिहासकारों के मत
- वी. डी. सावरकर: "यह प्रथम स्वतंत्रता संग्राम था"
- बेंजामिन डिजरायली: "यह एक राष्ट्रीय विद्रोह था"
- आर. सी. मजूमदार: "न प्रथम, न राष्ट्रीय, न ही स्वतंत्रता संग्राम"
- एस. एन. सेन: "धर्म की लड़ाई के रूप में शुरू हुआ, स्वतंत्रता संग्राम के रूप में समाप्त"
- टी. आर. होम्स: "सभ्यता एवं बर्बरता के मध्य युद्ध"

प्रमुख केंद्र और नायक
- दिल्ली
  - नेता: बहादुर शाह जफर (प्रतीकात्मक), बख्त खान (वास्तविक सैन्य नेतृत्व)
  - ब्रिटिश दमनकर्ता: जॉन निकोल्सन और हडसन
- कानपुर
  - नेता: नाना साहब (धोंदू पंत), तात्या टोपे (रामचन्द्र पाण्डुरंग), अजीमुल्ला खां
  - ब्रिटिश दमनकर्ता: सर कॉलिन कैंपबेल
- लखनऊ (अवध)
  - नेता: बेगम हजरत महल ('महक परी'), बिरजिस कादिर
  - ब्रिटिश दमनकर्ता: कॉलिन कैंपबेल, हेनरी लॉरेंस की मृत्यु
- झाँसी एवं ग्वालियर
  - नेता: रानी लक्ष्मीबाई (मनु), तात्या टोपे
  - ब्रिटिश दमनकर्ता: जनरल ह्यूरोज ("विद्रोहियों में सोयी हुई अकेली मर्द")
- जगदीशपुर (बिहार)
  - नेता: बाबू कुंवर सिंह ("बिहार का सिंह"), अमर सिंह
  - ब्रिटिश दमनकर्ता: विलियम टेलर और विंसेंट आयर
- अन्य केंद्र
  - फैजाबाद: मौलवी अहमदुल्लाह शाह (अंग्रेजों के सबसे कट्टर दुश्मन)
  - प्रयागराज: मौलवी लियाकत अली (कर्नल नील द्वारा दमन)
  - बरेली: खान बहादुर खान

शब्दावली और समझ
- विद्रोह: अचानक, हिंसक, बिना योजना का प्रयास (उदा. सिपाही विद्रोह)
- क्रांति: लक्ष्यपूर्ण, व्यवस्था परिवर्तन हेतु सफल या बड़ा बदलाव (ईआईसी का अंत)
- आंदोलन: क्रमिक, व्यवस्थित और लंबे समय तक चलने वाला संघर्ष

क्रांति के प्रमुख कारण
- राजनीतिक कारण
  - लॉर्ड वेलेजली की 'सहायक संधि': राज्यों को पंगु बनाना (प्रथम: हैदराबाद 1798)
  - डलहौजी की 'राज्य हड़प नीति' (Doctrine of Lapse): सतारा, झाँसी, नागपुर का विलय
  - अवध का विलय (1856): 'कुशासन' का झूठा आरोप लगाकर नवाब वाजिद अली शाह को हटाना
  - मुगल सम्राट का अपमान: सिक्कों से नाम हटाना, लाल किला छोड़ने का आदेश
- आर्थिक कारण
  - विनाशकारी भू-राजस्व नीतियां: स्थायी बंदोबस्त, रैयतवाड़ी और महालवाड़ी
  - कृषि का व्यावसायीकरण: खाद्य फसलों के स्थान पर नकदी फसलें (नील, कपास) उगाना
  - उद्योगों का पतन: मशीनी माल से प्रतिस्पर्धा, हस्तशिल्प का विनाश
  - ददनी प्रथा: कारीगरों को अग्रिम पैसा देकर कम कीमत पर माल खरीदना
- सामाजिक और धार्मिक कारण
  - ईसाई मिशनरियों का प्रचार: लालच और दबाव से धर्म परिवर्तन
  - धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम 1850: ईसाई बनने पर पैतृक संपत्ति का अधिकार सुरक्षित
  - सामाजिक सुधार: सती प्रथा (1829), विधवा पुनर्विवाह (1856) के प्रति रूढ़िवादी आक्रोश
  - नस्लीय भेदभाव: भारतीयों को 'बर्बर' समझना, सेना में पदोन्नति पर रोक
- तात्कालिक कारण
  - नई 'एनफील्ड राइफल': कारतूसों में गाय और सूअर की चर्बी की अफवाह
  - मंगल पांडे (बैरकपुर): 29 मार्च 1857 को विद्रोह की पहली चिंगारी

📌नोट: यह माइंड मैप केवल त्वरित रिवीजन (Quick Revision) के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इस विषय के सभी कॉन्सेप्ट्स को विस्तार से समझने और संपूर्ण नोट्स पढ़ने के लिए कृपया gkgsnotes.com पर विजिट करें।